मध्यकालीन भारतीय इतिहास का पाठ्यक्रम

1. इस्लाम का उदय
2. भारत में मुस्लिम आक्रमण
3. दिल्ली सल्तनत
4. विजयनगर साम्राज्य
5. बहमनी साम्राज्य
6. भक्ति आंदोलन
7. भक्ति और सूफी आंदोलन
8. मध्यकाल की प्रांतीय राजवंश
9. मुगल साम्राज्य

इस्लाम धर्म का उदय

- सामान्य जानकारी
- ज्ञान प्राप्ति
- पांच मान्यताएं
- मक्का से मदीना
- महत्वपूर्ण तथ्य

1. छठ वी सदी में अरब में पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब का जन्म

- सामान्य जानकारी
  - **जन्म:** - 570 ईस्वी मक्का, सऊदी अरब
  - **पिता:** - अब्दुल्ला
  - **माता:** - अमीना
  - **पत्नी:** - ख़दीजा
  - **संतान:** - फातिमा
  - **दामाद:** - अली
  - **मृत्यु:** - 632 ईस्वी मदीना
- ज्ञान प्राप्ति
  - **610 ईस्वी** - हीरा गुफा
  - **जिब्राइल** (अल्लाह का फरिश्ता)
  - **कुरान**
  - **मोहम्मद साहब**
  - **अरबी** : नबी / रसूल
  - **फारसी**: पैगंबर
  - **इस्लाम का उदय व प्रचार प्रसार**
- **हिज़रत**: मक्का से मदीना
  - 622 ईस्वी
  - मक्का से मदीना
  - हिजरी संवत (इस्लामी कैलेंडर का शुरुआती बिंदु) : 622 ईस्वी

"काबा" : सऊदी अरब के मक्का में मस्जिद अल-हरम (सबसे पवित्र मस्जिद) के केंद्र में स्थित एक घन-आकार की इमारत है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

1. **इब्न ईशाक:** पैगंबर साहब का जीवन चरित्र लिखा
2. **मोहम्मद साहब** पैगंबर की **जन्मदिन** पर **ईद उल मिलाद** उन नबी मनाया जाता है।
3. पैगंबर मोहम्मद साहब के **उत्तराधिकारी खलीफा** कहलाए।
   - अबू बकर – 632 ईस्वी
   - उमर – 634 ईस्वी
   - उस्मान – 644 ईस्वी
   - अली – 656 ईस्वी
4. मोहम्मद साहब अंतिम पैगंबर थे।
5. पैगंबर साहब की मृत्यु के बाद **इस्लाम दो भागों में बट गया**
   - **सुन्नी:** पैगंबर साहब
   - **शिया:** पैगंबर के दामाद अली

इस्लाम के पाँच स्तंभ

1. **शहादत** (आस्था की घोषणा)
2. **सलात** (नमाज़ / प्रार्थना)
3. **ज़कात** (दान)
4. **सौम** (रोज़ा / उपवास)
5. **हज** (मक्का की तीर्थयात्रा)

भारत पर मुस्लिम आक्रमण

1. भारत पर मुस्लिम आक्रमण
2. मोहम्मद बिन कासिम : पृष्ठभूमि
3. सिंध पर आक्रमण
4. महत्वपूर्ण घटनाएं
5. अरबी आक्रमण के प्रभाव
6. जानकारी के स्रोत
7. अन्य प्रमुख तथ्य

भारत पर मुस्लिम आक्रमण

1. अरबी आक्रमण

- मुहम्मद बिन कासिम -712 ईस्वी
- भारत पर प्रथम सफल मुस्लिम (अरबी) आक्रमण

2. तुर्की आक्रमण

- महमूद गजनवी 1000 ईस्वी
- शहाबुद्दीन मोहम्मद गौरी : 1175 ईस्वी
- दिल्ली सल्तनत

मोहम्मद बिन कासिम : पृष्ठभूमि

1. 610 ईस्वी

- इस्लाम का उदय

2. 630 ईस्वी

- भारत (केरल) में मुसलमानों का प्रथम आगमन (व्यापार)
- 632 ईस्वी में मुहम्मद साहब की मृत्यु के बाद खलीफा साम्राज्यों की उत्पत्ति
  - उमय्यद (632-661 ईस्वी)
    - अबु बद्र
    - उमर
    - उस्मान
    - अली
  - उमय्यद (661 to 750 ईस्वी)
  - अब्बासी (750 to 1248 ईस्वी)
  - ओटोमन
    - खलीफा अल वालिद
    - ईराक गवर्नर : अल-हज्जाज
    - मोहम्मद बिन कासिम

सिंध पर आक्रमण

1. **पूरा नाम:**- इमाद-उद-दीन मुहम्मद बिन क़ासिम बिन युसुफ़ सकाफ़ी
2. ईराक गवर्नर अल हज्जास के आदेश पर → सिंध पर आक्रमण (चच वंश के शासक राजा दाहिर)

- कारण

1. धन दौलत लूटना
2. इस्लाम धर्म का प्रचार प्रसार
3. इराक के शासक अल हज्जाज के समुद्री जहाज को सिंध के देवल में समुद्री लुटेरों ने लूटा
4. **राजधानी:** अलोर या अरोर
5. **बंदरगाह:** देवल
6. **दाहिर का पुत्र:** जयसिंह
7. **पत्नियां:** रानीबाई (जौहर) तथा रानी लाडी (पुत्री - सूर्या व परमल)

712AD -भारत (सिंध, देवल) पर प्रथम सफल मुस्लिम आक्रमण

महत्वपूर्ण घटनाएं

1. 712 ईस्वी → कासिम ने मकरान तट पर स्थित देवल बंदरगाह पर आक्रमण

- **नाफथा:** - आग का गोला
- **मंजानिक:** - पत्थर फेंकने का अस्त्र

2. 20 सितंबर 712 ईस्वी
- रावर का युद्ध
- कासिम ने राजा दाहिर को हराया
- **रानीबाई** का प्रतिरोध तथा जौहर (**जौहर का प्रथम साक्ष्य**)

3. 712 ईस्वी
- ब्राह्मणवाद में **दाहिर के पुत्र जयसिंह को हराया**
- दाहिर की पुत्रियों (**सूर्या व परमल देवी**) को गिरफ्तार किया

शिकायत पर कासिम को खलीफा ने मृत्यु दंड दिया

4. 713 ईस्वी
- मुल्तान पर आक्रमण
- मुल्तान को "स्वर्णनगरी" कहा

5. सेना में हिंदुओं की नियुक्ति

6. जाटों व बौद्धों द्वारा कासिम को समर्थन

अरबी आक्रमण के प्रभाव

1. भारत में इस्लाम का प्रादुर्भाव
2. **ऊँट पालन** व **खजूर की खेती**
3. भारत अरब संस्कृति, व्यापार, ज्ञान विज्ञान का आदान-प्रदान
4. दिरहम नामक मुद्रा
5. जजिया नामक गैर मुस्लिम कर
6. **ज्ञान: भारत**

- दशमलव प्रणाली
- अल ख्वारिज्म
- अरब
- अबेलार्ड
- यूरोप
  - मानसून शब्द
  - मानचित्र कला
  - अरब

7. सिन्धु नदी के तट पर 'महफूजा' (मन्सूरा) नामक नगर

8. हिन्दू शब्द का प्रथम बार प्रयोग फारसियों ने किया था

"अरब विज्ञान सच्चे अर्थों में अंतरराष्ट्रीय था" "Arab science was truly international" : सतीश चंद्र

जानकारी के स्त्रोत

1. चचनामा
- सिन्ध पर अरब आक्रमण का सर्वाधिक प्रामाणिक
- मुहम्मद बिन कासिम के किसी अज्ञात सैनिक द्वारा अरबी में
- अबु बक्र कुफी ने नासिरूद्दीन कुबाचा के समय फारसी में अनुदित किया
- अंग्रेजी अनुवाद : यू.एम. दाउदपोटा

2. बिलादूरी: किताब - फुतूल-अल-बलदान

3. मीर मोहम्मद मासूम (अकबर के दरबार में) : तारीख-ए-सिंध

4. लेनपूल
- सिन्ध पर अरब आक्रमण भारतीय इतिहास में एक घटना व इस्लामी इतिहास में परिणाम विहिन जीत थी

5. वुल्जले हेग
- अरबों द्वारा सिन्ध विजय को भारतीय इतिहास की एक आकस्मिक कथा मात्र बताया है

6. कुरान में खलीफा शब्द प्रतिनिधि के रूप में हुआ है, यहां खलीफा को पृथ्वी पर खुदा का प्रतिनिधि माना जाता है

अन्य प्रमुख तथ्य

1. ईरानी खगोल शास्त्री अबु मासर ने दस वर्ष तक बनारस में खगोल शास्त्र का अध्ययन किया।
2. अजफाजरी ने ब्रह्मसिद्धान्त (ब्रह्मगुप्त द्वारा रचित) एवं खण्डनखण्डखाद्यक का अरबी में अनुवाद किया
3. साहित्य: अरबी में अनुवाद
   - आर्यभट्ट का सूर्य सिद्धांत
   - चरक संहिता
   - सुश्रुत संहिता
   - पंचतंत्र (कलिला व दिम्ना)

भारत पर ग़ज़नवी का आक्रमण

परिचय

1. 932 ईस्वी :-अल्पतगीन नामक तुर्क सरदार **गजनी साम्राज्य** की स्थापना
- राजधानी: गजनी (अफ़गानिस्तान)

2. 977 ईस्वी: दामाद व गुलाम सुबुक्तगीन ने हिंदू शाही वंश के शासक जयपाल पर आक्रमण किया

3. भारत पर आक्रमण करने वाला प्रथम तुर्की मुस्लिम

पंजाब में हिंदू शाही राजवंश का शासन

राजधानी : उद्भाण्डपुर (वैहन्द)

4. 998 ईस्वी: सुबुक्तगीन का पुत्र महमूद गजनबी शासक बना

- उपाधियां
- बगदाद के खलीफा अल आदिल बिल्लाह
  1. यामिन-उद्-दौला (साम्राज्य का दाहिना हाथ)
  2. अमीन-उल-मिल्लत (मुसलमानों का संरक्षक)
  3. सुल्तान (प्रथम मुस्लिम शासक, जिसने सुल्तान की उपाधि)
- अन्य
  1. गाजी
  2. बुतशिकन (मूर्ति भंजक)

गजनवी ने खैबर दर्रे को पार कर भारत पर आक्रमण किये

गजनवी के आक्रमण के कारण

- इतिहासकार हेनरी एलियट : गजनवी ने भारत पर 17 आक्रमण
- गजनवी के आक्रमण के कारण
  1. धन प्राप्ति
     - मध्य एशिया में साम्राज्य विस्तार हेतु
  2. भारतीय गुट से राज्य की रक्षा
  3. इस्लाम का प्रचार
  4. साम्राज्य स्थापना कभी भी उद्देश्य नहीं था

गजनवी के प्रमुख आक्रमण

- **प्रथम 1000 ईस्वी:** हिंदू शाही राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र पर पेशावर व अन्य इलाके
- **द्वितीय 1001 ईस्वी:** हिंदू शाही राजा जयपाल
  - राजधानी - वैहिंद/उदभांडपुर (पेशावर)
  - राजा जयपाल: पराजित हुआ
  - आत्महत्या
  - बेटा – आनंदपाल (छाछ के युद्ध) शासक बना

- **1014:** → थानेश्वर (हरियाणा) → चंद्र स्वामिनी मंदिर (कृष्ण)
- **1018:** → गंगा घाटी (कन्नोज – मथुरा) पर प्रथम मुस्लिम
  - गुर्जर प्रतिहार राजा राज्यपाल
- **1019 -20:** → कालिंजर अभियान → चंदेल शासक विद्याधर
- **16th – 1025:** → सोमनाथ शिव मंदिर पर आक्रमण
  - शासक चालुक्य वंश का भीम प्रथम
  - सिंधु नदी पर जाटों ने लूटा
- **17th – 1027:** मुल्तान के पास खोखरो के विरुद्ध
  - 1030 - मृत्यु

तथ्य

1. सोमनाथ मंदिर गुजरात राज्य में अरब सागर के तट पर अवस्थित है।
2. 12 ज्योतिर्लिंग देव मंदिरों में से एक
3. महमूद गजनवी ने 1025-26 ई. में सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया था।
   - चालुक्य शासक भीमदेव प्रथम (1022-63)
   - भीमदेव प्रथम ने सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण
   - इस मंदिर का उल्लेख अलबरूनी द्वारा अपने यात्रा वृत्तांत में किया गया था।
   - अलफ खान, अहमदशाह, शम्स खाँ, मुजफ्फर खाँ द्वितीय, तातार खाँ (1520) तथा औरंगजेब (1669) ने सोमनाथ के मन्दिर को तोड़ा।
   - अहिल्या बाई होल्कर ने 1765 ई. में तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 1950 ई. में सोमनाथ के मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया
   - 11 मई, 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने मौजूदा मंदिर प्रांगण में प्राण-प्रतिष्ठा की थी।

गजनवी - समकालीन साहित्यकार

1. फिरदौसी
- शाहनामा (महान फ़ारसी ग्रंथ)
- पूर्व का होमर
- कश्मीर को पृथ्वी का स्वर्ग कहा

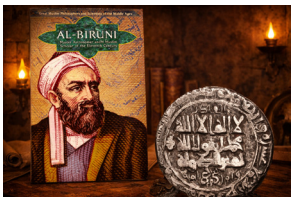

2. उत्बी
- दरबारी इतिहासकार
- तारीख ए यामिनी (अरबी)

3. बैहाकी
- तारीख-ए-सुबुक्तगीन
- पूर्व का पेप्स

4. अलबरूनी (अबू रेहान मुहम्मद) : भारत में 10 वर्ष
- **अरबी भाषा** में लिखित **किताबुल हिन्द**
- **11वीं सदी के भारत का दर्पण**: भारतीय भूगोल, विज्ञान, गणित, इतिहास, खगोल व दर्शन का
- **पुराणों का अध्ययन करने वाला** प्रथम मुसलमान
- ख्वारिज्म अभियान में **अल-बरूनी**
- हिन्दी अनुवाद: रजनीकान्त शर्मा
- अंग्रेजी अनुवाद: एडवर्ड सचाऊ
- अलबरूनी धर्मनिरपेक्ष लेखक नहीं था।
- चतुर्वर्ण व्यवस्था के नीचे 8 अन्त्यज थे
- सिद्धमात्रिका : सर्वाधिक लोकप्रिय लिपि थी, जो कश्मीर, वाराणसी एवं कन्नौज में थी

महमूद गजनवी - अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

1. सेना में तिलक नामक हिंदू सेनापति

2. संस्कृत व अरब मुद्रा लेख के साथ चांदी के सिक्के (दिरहम)

3. महमूद के आक्रमण के समय
- **चन्देल शासक विद्याधर**: 1019-20 ई. में महमूद ने आक्रमण किया किन्तु उसे परास्त न कर सका।
- **मुल्तान:** दाउद नामक करमाथी शिया संप्रदाय
- **कश्मीर:** रानी दिद्दा
- **कन्नौज:** प्रतिहार शासक राज्यपाल
- **बंगाल:** पाल शासक महिपाल
- **चोल शासक:** राजराज प्रथम एवं राजेन्द्र प्रथम

4. महमूद ने लाहौर व मुल्तान सहित पंजाब को गजनी साम्राज्य में मिला लिया

5. महमूद ने 1008 में पंजाब के शासक आनन्दपाल को छाछ के युद्ध में वैहन्द के मैदान में पराजित किया। इस युद्ध में प्रतिहार शासक राज्यपाल व चन्देल शासक गण्ड ने आनन्दपाल की मदद के लिए सेनायें भेजी

6. उतबी ने मथुरा के वैभव के बारे में लिखा है कि महमूद ने एक ऐसा शहर देखा जिसका वैभव स्वर्ग के समान है

ग़ज़नी के आक्रमणों के प्रभाव

1. खैबर दर्रा, हमेशा के लिये विदेशियों के हाथों में चला गया।
2. भारतीयों की आपसी फूट व सैन्य कमजोरी प्रकट हो गई
3. भारी मात्रा में धन सम्पदा की लूट व नर संहार हुआ
4. गजनवी के आक्रमणों के फलस्वरूप लाहौर शहर फारसी संस्कृति का केन्द्र बन गया
5. पंजाब तुर्कों के नियन्त्रण में चला गया
6. तुर्की द्वारा विशेष प्रकार का धनुष काम में लिया जाता था जिसे फारसी में नावक कहते हैं

प्रमुख प्राचीन विश्वविद्यालय

तक्षशिला

1. भारत का प्राचीनतम विश्वविद्यालय
2. **स्थान:**- वर्तमान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के रावलपिंडी जिले में सिंधु चिनाब दोआव में
3. प्राचीन काल में **गांधार देश की राजधानी**
4. मौर्यकाल में **उत्तरापथ की राजधानी**
5. **वर्तमान में खोज:**- 1863 में अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा
6. यहां के पाठ्यक्रम 60 से अधिक विषय शामिल थे
7. बौद्ध ग्रंथों के अनुसार, धनुर्विद्या एवम चिकित्सा शास्त्र की शिक्षा हेतु तक्षशिला सर्वाधिक प्रसिद्ध था
8. अश्वघोष के अनुसार यहां नेत्र चिकित्सा की जाती थी

9. यहां से शिक्षा प्राप्त विद्वान:-
- जीवक - विंबसार के राजवैद्य बालरोग विशेषज्ञ
- चरक - कनिष्क के राजवैद्य, चरक संहिता (आयुर्वेद ग्रन्थ)
- पाणिनी - महान संस्कृत व्याकरण, 'अष्टाध्यायी' की रचना
- पतंजलि - महाभाष्य के लेखक और योग सूत्रों के संकलनकर्ता
- वररुचि कात्यायन - अष्टाध्यायी ग्रन्थ के वार्तिककार
- कोसल नरेश प्रसेनजित
- कौटिल्य / चाणक्य
- चन्द्रगुप्त मौर्य
- वसुबन्धु बौद्धाचार्य (द्वितीय बुद्ध) - 'अभिधर्मकोश' नामक ग्रन्थ

नालंदा

1. विश्व का पहला आवासीय विश्वविद्यालय (महाविहार)
2. **स्थापना**: गुप्त शासक कुमार गुप्त द्वारा (असंग और वसुबंधु)
3. **केंद्र:** बौद्ध महायान शाखा
4. **भाषा:** पाली
5. **स्थान:** राजगीर, नालंदा जिला, बिहार
6. **महायान शाखा का ऑक्सफोर्ड**
7. बख्तियार खिलजी ने नालंदा पर आक्रमण कर पुस्तकालय में आग लगवा दी
8. प्रधानमंत्री मोदी द्वारा **19 जून 2024 को विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन** किया
9. सातवीं शताब्दी में भारत आए चीनी यात्री ह्वेंसांग (सी यू की) ने यहां 18 महीने रहकर महायान शाखा एवम योगशास्त्र का अध्ययन किया
   - विदेशी यात्री जिसने कुमारगुप्त प्रथम को 'शक्रादित्य' के नाम से उल्लिखित किया है - ह्वेनसांग
10. **यहां के प्रसिद्ध आचार्य**:- धर्मपाल, शीलभद्र, चंद्रपाल, गुणमति, स्थिरमति, प्रभामित्र, जिनमित्र, ज्ञानचंद्र, नागार्जुन, वसुबंधु, असंग, धर्मकीर्ति, चंद्रकीर्ति, वीरदेव, शांतरक्षित, पद्मसंभव, राहुलमित्र

विक्रमशिला

1. **विक्रमशिला:** पूर्व नियोजित व आवासीय महाविहार
2. बौद्ध धर्म की वज्रयान शाखा से संबंधित
3. **स्थान:** बिहार के भागलपुर में
4. **स्थापना:** 8वीं-9वीं शताब्दी में बंगाल के पाल वंशीय शासक धर्मपाल द्वारा
5. **अन्य नाम**: शिलासंगम
6. **विषय:** व्याकरण, तर्कशास्त्र, दर्शनशास्त्र, न्याय, कला, आयुर्वेद, तंत्रशास्त्र, वेद, उपनिषद्
7. **1203** में बख्तियार खिलजी के नेतृत्व में मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया

वल्लभी/वल्लभीपुर

1. **वल्लभीपुर:** हीनयान बौद्ध धर्म शिक्षा का केंद्र
2. **स्थान:** भावनगर, गुजरात
3. **स्थापना:** पांचवी शताब्दी में मैत्रक वंश के संस्थापक सेनापति भट्टार्क
4. **विषय:** प्रशासन, दर्शन, विज्ञान, कला, समुद्री विज्ञान
5. **प्रमुख विद्वान:-**
   - हरिभद्र सूरी - प्रतिष्ठित जैन दार्शनिक एवम विद्वान
   - श्रीधराचार्य - प्रसिद्ध गणितज्ञ
   - भारवि - प्रसिद्ध संस्कृत कवि ('किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य)
6. चीनी यात्री ह्वेंसांग और इत्सिंग द्वारा वर्णन

ओदंतपुरी

1. वर्तमान विहार का प्राचीन नाम
2. **स्थान:** बिहार
3. **स्थापना:**- 8वीं शताब्दी में पाल शासक धर्मपाल (कई पुस्तकों में गोपाल प्रथम)
4. **प्रमुख विषय:**- बौद्ध शिक्षा केंद्र
5. **प्रमुख विद्वान:**
   - दीपंकर - तिब्बत में लामा समाज की स्थापना
   - रत्नरक्षित - यहां सर्वास्तिवादी शाखा का प्रमुख छात्र